http://www.uokonline.com

This question paper contains 8 printed pages]

129-N

B.A. (Part I) Examination, 2019

(For Non-Collegiate Candidates)

हिन्दी साहित्य

Paper II

(कथा साहित्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

इस प्रश्न-पत्र में *तीन* खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड 'अ' ***Max. Marks-10***

*इस खण्ड में **एक** अनिवार्य प्रश्न है जिसमें **10** भाग हैं। प्रत्येक भाग का उत्तर लगभग **20** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'ब' ***Max. Marks-50***

*इस खण्ड में **10** प्रश्न अथवा व्याख्या हैं। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते हुए, कुल **5** प्रश्नों अथवा व्याख्याओं के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों अथवा व्याख्याओं के अंक समान हैं।*

http://www.uokonline.com

http://www.uokonline.com

खण्ड 'स' ***Max. Marks-40***

*इस खण्ड में **4** प्रश्न हैं (प्रश्नों के उप-भाग हो सकते हैं)। इस खण्ड में एक इकाई से अधिकतम **एक** प्रश्न होगा। कुल **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **500** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड-अ

1. (*i*) "परदा" कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 1

(*ii*) "वापसी" कहानी का संक्षिप्त सार लिखिए। 1

(*iii*) नासिरा शर्मा की **दो** कहानियों के नाम लिखिए। 1

(*iv*) जैनेन्द्र बाल-मनोविज्ञान के सशक्त हस्ताक्षर हैं। समझाइए। 1

(*v*) चित्रलेखा के चरित्र की **दो** विशेषताएँ बताइये। 1

(*vi*) चित्रलेखा उपन्यास के सार को समझाइए। 1

(*vii*) कहानी के तत्व बताइए। 1

(*viii*) आधुनिक कहानियों में अज्ञेय की कहानी "शरणदाता" को प्रतिपादित कीजिए। 1

(*ix*) कहानी और उपन्यास में अंतर के **दो** बिन्दु बताइए। 1

(*x*) "मधुआ" कहानी के शीर्षक का औचित्य स्पष्ट कीजिए। 1

http://www.uokonline.com

खण्ड-ब

इकाई-I

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मौन मुग्ध संध्या स्मित प्रकाश से हंस रही थी। उस समय गंगा के निर्जन बालुका स्थल वहाँ पर एक बालक और बालिका अपने को और सारे विश्व को भुला गंगा-तट के बालू और पानी को अपना एकमात्र आत्मीय बना उससे खिलवाड़ कर रहे थे। प्रकृति निर्दोष परात्म खंडों को निस्तब्ध और निर्निमेष निहार रही थी। बालक कहीं से एक लकड़ी लाकर तट के जल को छटाछट उछाल रहा था। पानी मानो चोट खाकर भी बालक से मित्रता जोड़ने के लिए विह्वल हो उछल रहा था। 4+6=10

अथवा

रफीकुद्दीन ने बात काटते हुए कहा, "नहीं साहब, हमारी नाक कट जाएगी, कोई बात है भला कि आप घरबार छोड़कर अपने ही शहर में पनाहगर्जी हो जाएँ। हम तो आपको जाने न देंगे,

बल्कि जबरदस्ती रोक लेंगे। मैं तो इसे मेजोरिटी का फर्ज़ मानता हूँ कि वह माइनारिटी की हिफाजत करे तो उन्हें घर छोड़-छोड़कर भागने न दे। हम पड़ौसी की हिफाजत न कर सके तो मुल्क की क्या खाक करेंगे। और मुझे पूरा यकीन है कि बाहर की तो खैर बात ही क्या, पंजाब में ही कई हिन्दू भी जहाँ उनकी बहुतायत है, ऐसा ही सोच और कर रहे होंगे। आप न जाइए, न जाइए। आपकी हिफाजत की जिम्मेदारी मेरे सिर बस!" 4+6=10

इकाई-II

3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

बूढ़ों से सुने हुए वे नवाबी के सोने-से दिन, अमीरों की रंग-रेलियाँ, दुखियों की दर्द-भरी आहें, रंगमहलों में घुल-घुलकर मरनेवाली बेगमें, अपने-आप सिर में चक्कर काटती रहती हैं, मैं उनकी पीड़ा से रोने लगता हूँ। अमीर कंगाल हो जाते हैं। बड़े-बड़ों के घमण्ड चूर होकर धूल में मिल जाते हैं। तब भी दुनिया बड़ी पागल है। 4+6=10

http://www.uokonline.com

अथवा

सभी की आँखों में विलासिता का मद छाया हुआ था। संसार में क्या हो रहा है इसकी किसी को खबर ना थी। बटेर लड़ रहे हैं, तीतरों की लड़ाई है पाली बदी जा रही है, कहीं चौसरें बिछी हुई हैं, पौबारों का शोर मचा हुआ है, कहीं शतरंज का घोर संग्राम छिड़ा हुआ है। राजा से लेकर रंक तक सब इसी धुन में मस्त थे। यहाँ तक कि फकीरों को पैसे मिलते तो वे रोटियाँ न लेकर अफीम खाते या मदक पीते। शतरंज, ताश, गजीफा खेलने से बुद्धि तीव्र होती है, विचार शक्ति का विकास होता है। पेचिदा मसलों को सुलझाने की आदत पड़ गई है। http://www.uokonline.com 4+6=10

इकाई-III

4. निम्नलिखित गद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

वासना पाप है, जीवन को कलुषित बनाने का एकमात्र साधन है। वासनाओं से प्रेरित होकर मनुष्य ईश्वरीय नियमों का उल्लंघन करता है, और उनमें डूबकर मनुष्य अपने को अपने

रचयिता ब्रह्म को भूल जाता है। इसीलिए वासना त्याज्य है। यदि मनुष्य अपनी इच्छाओं को छोड़ सके, तो वह बहुत ऊपर उठ सकता है। ईश्वर के तीन गुण हैं – सत्, चित् और आनन्द! तीनों ही गुण वासना से रहित विशुद्ध मन को मिल सकते हैं, पर वासना के होते हुए ममत्व प्रधान रहता है और ममत्व के भ्रान्तिकारक आवरण के रहते हुए इनमें से किसी एक का पाना असम्भव है। 4+6=10

अथवा

ईश्वर मनुष्य का जन्मदाता है और मनुष्य समाज का जन्मदाता है। धर्म ईश्वर का सांसारिक रूप है, वह मनुष्य का ईश्वर से मिलाने का साधन है। धर्म की अवहेलना, ईश्वर की अवहेलना है, सत्य से दूर हटना है। सत्य एक है, धर्म उसी सत्य का दूसरा नाम है। यदि नीतिशास्त्र धर्म के सिद्धान्तों के प्रतिकूल है तो वह नीतिशास्त्र नहीं, वरन अनीतिशास्त्र है। उचित और अनुचित – न्याय और अन्याय – इन सबकी कसौटी धर्म है, धर्म के अंतर्गत सारा विश्व है। 4+6=10

http://www.uokonline.com

http://www.uokonline.com

इकाई-IV

5. कहानी के अर्थ और परिभाषा को स्पष्ट करते हुए, कहानी के विकासक्रम में प्रेमचंद युग को प्रतिपादित कीजिए। 5+5=10

अथवा

समकालीन हिंदी कहानी के भविष्य पर एक निबंध लिखिए। 10

इकाई-V

6. हिंदी उपन्यास के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

औपन्यासिक तत्वों को स्पष्ट कीजिए। 10

खण्ड-स

7. "यशपाल की कहानी 'परदा' यथार्थबोध की कहानी है।" आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं ? समझाइए। 15+5=20

http://www.uokonline.com

8. 'सरहद के इस पार' कहानी की कथावस्तु को स्पष्ट करते हुए इसमें आये प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10+10=20

9. चित्रलेखा की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

10. "'चित्रलेखा' उपन्यास पाप और पुण्य, जीवन और मोक्ष के प्रश्नों से उद्वेलित करने वाला उपन्यास है।" इसकी समीक्षा कीजिए। 20

Whatsapp @ 9300930012
Your old paper & get 10/-
पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

http://www.uokonline.com
http://www.uokonline.com
http://www.uokonline.com
http://www.uokonline.com
https://pyqhelp.com